वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 226 | रविवार 11 दिसम्बर 2022 | दैनिक ई-पेपर

# शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

## मानवाधिकार दिवस पर निकाली जागरुकता रैली

### संविधान में मिले मौलिक अधिकारों की दी जानकारी, पोस्टर्स में मानवीय अधिकारों को बचाने की पैरवी

**जयपुर. कासं**

सांगानेरी गेट स्थित अग्रवाल शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने मानवाधिकार दिवस पर शनिवार को रविन्द्र मंच के मुख्य द्वार से अल्बर्ट हॉल म्यूजियम तक रैली निकाली। इस रैली में पोस्टर तथा स्लोगन के माध्यम से बच्चों, महिलाओं व पुरुषों को संविधान की ओर से दिए गए मौलिक अधिकार व कर्त्तव्यों का प्रचार-प्रसार किया। इन पोस्टर में मुख्यतया सूचना का अधिकार, शिक्षा का अधिकार, साइबर क्राइम, शिक्षा में डिजिटल इंडिया का उपयोग, कन्या भ्रूण हत्या रोको, दहेज प्रथा उन्मूलन, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओं संदेश थे। इस अवसर पर श्री अग्रवाल शिक्षा समिति के महासचिव नरेश सिंघल ने बी.एड. के विद्यार्थियों के जागरुकता कार्यक्रम की सराहना की और कहा

कि मानव को अधिकारों के साथ कर्त्तव्यों पर भी ध्यान देना चाहिए। अन्त में प्राचार्य डॉ. संजीव कुमार सिंघल ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया और कहा- हमें अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने की जरुरता है।

## 56 भोग उत्सव- 2022 में उमड़ी भीड़

### आगंतुक और सैलानी उठा रहे लजीज पकवानों का लुत्फ

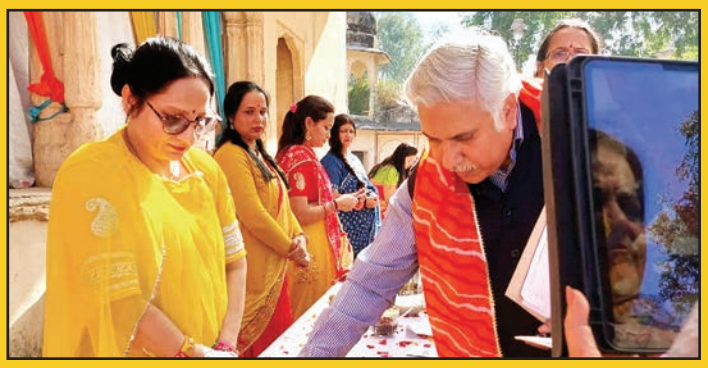

**जयपुर. कासं।** उद्योग विभाग व उद्यम प्रोत्साहन संस्थान की ओर से राजस्थान हाट में चल रहे चार दिवसीय फूड फेस्टिवल "56 भोग उत्सव- 2022" के दूसरे दिन सैकड़ों आगंतुकों और सैलानियों ने प्रदेश भर के व्यंजनों का जमकर लुत्फ उठाया। उत्सव के दूसरे दिन सर्वाधिक भीड़ धौलपुर, भरतपुर एवं सीकर की गजक, पाली के गुलाब हलवे, गंगापुर के खीर मोहन, ब्यावर की तिलपपड़ी की स्टालों पर देखने को मिली। आमजन न केवल चटकारे लेकर पकवानों का सेवन कर रहे थे बल्कि परिजनों के लिए पैक भी करवा रहे थे। उद्योग विभाग के आयुक्त महेंद्र पारख ने कहा कि रविवार को अवकाश होने के कारण फुटफाल में और भी बढ़ोतरी होगी। उन्होंने कहा कि फूड फेस्टिवल में सफाई और स्वच्छता का पूरा ध्यान रखा गया है। आमजन अपने परिजनों के साथ उत्सव का आनंद उठा सकते हैं। पारख ने कहा कि इस फूड फेस्टिवल का उद्देश्य जिलों में चल रहे व्यंजनों को बेहतर मंच उपलब्ध कराना और उनकी ख्याति राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाना है। उन्होंने बताया कि विभाग की मंशा ऐसे फूड फेस्टिवल प्रति वर्ष लगाने की है, ताकि लोगों को स्तरीय जायके के साथ उत्पादकों को बेहतर ग्राहक मिल सकें। गौरतलब है कि चार दिवसीय फूड फेस्टिवल 12 दिसंबर तक संचालित होगा। आमजन प्रातः 11 बजे से सायं 9 बजे तक व्यंजनों का लुत्फ उठा सकते हैं। इस दौरान व्यंजन प्रतियोगिता, चित्रकारी प्रतियोगिता, टॉक शो, क्वीज प्रतियोगिता एवं विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया जा रहा है।

## दिसंबर में सर्दी की बजाय बढ़ रही गर्मी

### रात का पारा 2 डिग्री सेल्सियस तक चढ़ा; अगले सप्ताह से पड़ेगी ठंड

**जयपुर. कासं**

राजस्थान के शहरों में तापमान में उतार-चढ़ाव रहा। अजमेर, अलवर, जयपुर, धौलपुर और गंगानगर समेत कई शहरों में बीती रात न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रहा। इधर नागौर, बारां, चूरू, चित्तौड़गढ़ में तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा। मौसम में इस तरह का उतार-चढ़ाव कल भी देखने को मिलेगा। सोमवार से राज्य में उत्तरी हवाओं का असर बढ़ने लगेगा, इससे तापमान गिरने लगेगा और सर्दी फिर से बढ़ने लगेगी। जयपुर मौसम केन्द्र से जारी रिपोर्ट देखें तो आज भीलवाड़ा, पिलानी, कोटा, बूंदी, उदयपुर, चित्तौड़गढ़, चूरू समेत कई शहरों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा। चूरू में बीती रात का तापमान 6.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ, जबकि उदयपुर में 7.8 और चित्तौड़गढ़ में 8 डिग्री सेल्सियस। जयपुर समेत प्रदेश के अधिकांश शहरों में आज भी मौसम सुबह से

साफ रहा और तेज धूप निकली। जयपुर में रात के तापमान में 5 दिन बाद बदलाव हुआ और तापमान 11.4 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। इससे पहले कुछ दिनों से जयपुर में रात का न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस पर स्थिर था। जयपुर में दिन के साथ रात के तापमान में भी बढ़ोतरी हुई। जयपुर की तरह अलवर में न्यूनतम तापमान करीब 2 डिग्री सेल्सियस बढ़कर 10.5 पर दर्ज हुआ। इधर धौलपुर में भी टेम्प्रेचर 10.2 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया।

## विमर्श जागृति मंच की मीटिंग में आयोजनों की रूपरेखा बनाई

**अशोकनगर. शाबाश इंडिया।** राष्ट्र योगी श्रमणाचार्य भावलिंगी संत 108 श्री विमर्श सागर जी महाराज के आचार्य पदारोहण दिवस एवं 25 वें मुनि दीक्षा दिवस के उपलक्ष्य में संस्था द्वारा अनेकों कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष सुभाष जैन कैंची एवं शाखा अध्यक्ष अनिल भारत ने बताया कि कार्यक्रमों को भव्य रूप देने के लिए गत दिवस वर्धमान धर्मशाला में बैठक का आयोजन किया गया जिसमें चार दिवसीय आयोजनों की रूपरेखा तैयार की गई। रजत विमर्श संयमोत्सव के तहत 11 दिसम्बर को धमरासा ग्राम (थूबोंन जी तारई के पास) में निर्धन ग्राम वासियो की सेवा के लिए हजारीलाल विजयपुरा की पुण्य स्मृति में स्वास्थ्य शिविर,दवा, कम्बल एवं ऊनी वस्त्र वितरण शिविर का आयोजन किया गया हैं। 12 दिसम्बर को सुभाष गंज जैन मंदिर जी मे प्रातः 7:30 बजें श्री जी का अभिषेक, शांतिधारा, एवं गुरुवर की पूजन की जाएगी। 13 दिसम्बर को अपना घर वृद्धाश्रम में स्वास्थ्य परीक्षण ,दवा एवं अन्य सामग्री वितरण शिविर का आयोजन होगा 14 दिसम्बर को प्रातः 7:30 बजे त्रिकाल चौबीसी जिनालय में श्री जी का अभिषेक,शांतिधारा,एवं गुरुवर की पूजन की जाएगी। तथा प्रातः 11 बजे कोचर निवास पर निर्धनों को भोजन वितरित किया जाएगा।रात्रि में 7 बजे त्रिकाल चौबीसी जिनालय में आरती भजन संध्या और प्रश्न मंच का आयोजन विमर्श जागृति महिला मंच के तत्वावधान में करने का निश्चय किया गया।

## आचार्य वर्धमान सागर महाराज को निवाई मे शीतकालीन प्रवास के लिए चढ़ाया श्री फल

**निवाई. शाबाश इंडिया।** सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में जैन श्रद्धालुओं ने शनिवार को सुबह निवाई से गंगापुर पहुंचकर भारत गौरव वात्सल्य वारिधि आचार्य वर्धमान सागर महाराज को निवाई मे शीतकालीन प्रवास हेतु जयघोष के साथ श्री फल चडाया़। जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला ने बताया कि निवाई से पहुंचे समाज के सैकडों श्रद्धालुओं ने शीतकालीन प्रवास के लिए जयकारों से श्री फल चडाया़ जिसमें उधोगपति विष्णु बोहरा, सुनील भाणजा, रामपाल चंवरिया ,हुकमचंद जैन ,विमल पाटनी, गोपाल कठमाणा, विमल सोगानी, विनोद सुनारा, सहित अनेक समाज के लोगों ने श्री फल चडाया़ जहाँ आचार्य श्री ने सभी श्रद्धालुओं को मंगलमय आशीर्वाद प्रदान कर निवाई आने की स्वीकृति दी।

# सम्मेदशिखर जी को पर्यटन क्षेत्र नहीं पवित्र क्षेत्र घोषित किया जाए

### सरकार द्वारा जारी गजट रद्द किया जाए...

### 11 दिसम्बर को रामलीला मैदान दिल्ली में विशाल आंदोलन करेगा जैन समाज

**ललितपुर. शाबाश इंडिया**

जैन समाज का पावन वंदनीय तीर्थ सम्मेद शिखर जी जहां से 24 में से 20 जैन तीर्थंकर मोक्ष गये है, जैन समाज के लिए सदियों से वन्दनीय रहा है। प्रत्येक जैन इस तीर्थ की अधिक से अधिक वन्दना करता है, इस सम्मेद शिखर की सभी पर्वत श्रंखलाएं इतनी पवित्र मानी जाती है कि इस पर्वत की वन्दना करने जाते समय जैन श्रद्धालु चप्पल जूते भी धारण नहीं करते और उपवास रख कर वन्दना करते हैं। परन्तु अचानक झारखंड सरकार की अनुसंशा पर केंद्रीय वन मंत्रालय द्वारा 2 अगस्त 2019 को अधिसूचना जारी कर श्री सम्मेद शिखरजी को वन्य जीव अभ्यारण का एक भाग घोषित किया गया है जिसके कारण पर्यावरण, पर्यटन व गैर धार्मिक गतिविधियों की अनुमति दी गयी हैं, जैन समाज कभी भी अपने पावन पवित्र तीर्थ पर पर्यटन व गैर धार्मिक गतिविधियो नहीं चाहता अतः वह मांग कर रहा है कि केन्द्र सरकार उक्त अधिसूचना को तुरन्त वापस ले व सम्मेद शिखरजी को जैन पवित्र तीर्थ स्थल घोषित करे व सम्मेद शिखर जी के मधुबन क्षेत्र को मांस-मदिरा बिक्री मुक्त पवित्र क्षेत्र बनाने हेतु आदेश जारी कराये जायें। इस हेतु देशव्यापी श्री सम्मेद शिखर जी बचाओ आंदोलन रविवार 11 दिसंबर 2022 को प्रातः 11 बजे से जैन विश्व संगठन के संयोजककत्व में ऐतिहासिक रामलीला मैदान में होने जा रहा है। इस आंदोलन में पूरे देश से बड़ी संख्या में लोग पहुँच रहे हैं। पिछले दिनों ललितपुर में परम पूज्य मुनि श्री सुधा सागर जी महाराज के सान्निध्य में आयोजित अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन विद्वत्परिषद (रजि.) के राष्ट्रीय अधिवेशन में परिषद के कार्यकारिणी के सदस्य डॉ सुनील संचय ने सम्मेदशिखर जी उक्त प्रकरण के संबंध में एक प्रस्ताव भी पेश किया था जिसका समर्थन परिषद के उपाध्यक्ष डॉ सुरेन्द्र जैन भारती ने तथा अनुमोदना उपस्थित शताधिक विद्वानों एवं जन समुदाय ने किया था।

### सम्मेदशिखर आस्था-श्रद्धा का केंद्र बिंदु : मुनि श्री सुधासागर

मुनि श्री सुधासागर जी महाराज ने कहा था कि सम्मेदशिखर जी जैनधर्म की आस्था और श्रद्धा का केन्द्रबिन्दु है, ऐसे पवित्र क्षेत्र को पर्यटन के रूप में कतई स्वीकार नहीं कर सकते। सरकार को अपना फैसला वापस लेना चाहिए, इसके लिए सभी को एकजुटता दिखानी चाहिए। इसे पवित्र क्षेत्र घोषित किया जाय। मड़ावरा में विराजमान मुनि श्री सुप्रभ सागर महाराज ने कहा कि सम्मेदशिखर जी की वंदना, तीर्थयात्रा का अचिन्त्य फल शास्त्रों में है। हमारा पहला कर्तव्य है हमारे धर्म और तीर्थस्थलों की रक्षा करना. हम सभी को एकता और अखंडता दिखानी होगी. तभी हम अपने तीर्थस्थल और धर्म की सही तरीके से बचा पाएंगे। सम्मेदशिखर जी जैनधर्म की आस्था का केंद्र है।

### संसद के शीतकालीन सत्र में भी गूंजा सम्मेदशिखर मुद्दा :

जैन समाज के सर्वोच्च तीर्थ स्थल श्री सम्मेद शिखर जी पहाड़ी की पवित्रता व सुचिता को बनाये रखने हेतु सहारनपुर, उत्तर प्रदेश से लोकसभा सांसद हाजी फजलुर्रहमान लोकसभा में 08.12.2022 को श्री सम्मेद शिखर जी तीर्थ क्षेत्र को पर्यटन स्थल घोषित करने के ऊपर केंद्र सरकार से स्पष्टीकरण मांगा है और साथ-साथ संसद में केंद्र सरकार से उस अधिसूचना को निरस्त करने की भी मांग की है। इसके पूर्व भी अनेक सांसद अपने पत्रों के माध्यम से सरकार के निर्णय को गलत बता चुके हैं।

### इनका कहना है :

केंद्रीय वन मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना दिनांक 2 अगस्त 2019 को रद्द कराने, पर्वतराज से पेड़ो की अवैध कटाई व पत्थरों के अवैध खनन को रोकने और हमारे आराध्य पारसनाथ पर्वतराज व मधुबन क्षेत्र को माँस-मदिरा बिक्री मुक्त पवित्र ह्लजैन तीर्थ स्थल घोषित करने की मांग जैन समाज कर रही है। क्षेत्र की पवित्रता बचाए रखने हेतु पर्वतराज के वन्दना मार्ग को अतिक्रमण व अभक्ष्य सामग्री बिक्री मुक्त कर यात्री पंजीकरण, यात्री सामान जाँच हेतु स्कैनर सहित चैक पोस्ट, सोलर लाईट और शुद्ध पेय जल आदि सुविधा की केंद्र सरकार व झारखण्ड सरकार से मांग की गई है। मैंने प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति, केंद्रीय वन और पर्यावरण मंत्री तथा झारखंड के मुख्यमंत्री को ज्ञापन भी प्रेषित किया है।

**-डॉ. सुनील जैन संचय,ललितपुर**
**मंत्री उत्तर प्रदेश-उत्तराखंड दिगम्बर जैन तीर्थक्षेत्र कमेटी**

अल्पसंख्यक जैन समाज एक शान्तिप्रिय, अनुशासित, राष्ट्र भक्त, दानवीर व सर्वाधिक टैक्स पेयिंग समाज है, अतः जैन समाज की उपरोक्त मांगों को केन्द्र व राज्य सरकार को अवश्य मानना चाहिए और त्वरित कार्यवाही होनी चाहिए, केंद्र सरकार को अपना गजट वापस लेना चाहिए। 11 दिसम्बर को हम दिल्ली के रामलीला मैदान में इस संबंध में विशाल धरना-प्रदर्शन करने जा रहे हैं। पिछले दिनों मैंने ललितपुर पहुँचकर मुनि श्री सुधासागर जी महाराज से भी आशीर्वाद लिया था और सम्पूर्ण जानकारी से अवगत कराया था। **-संजय जैन, संयोजक जैन विश्व संगठन, दिल्ली**

# स्कूल के वार्षिकोत्सव में अतुल्य भारत के थीम पर बच्चों ने दी प्रस्तुति

अमन जैन कोटखावदा. शाबाश इंडिया

**जयपुर।** मानसरोवर स्थित सेंट विल्फ्रेड स्कूल का वार्षिकोत्सव अतुल्य भारत थीम पर आधारित जी.डी. बडाया मेमोरियल ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया। वार्षिकोत्सव में मुख्य अतिथि राजस्थान सरकार में सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग के राज्यमंत्री उमा शंकर शर्मा गेस्ट ऑफ ऑनर राजस्थान पुलिस में एडीशनल डिप्टी पुलिस कमीशनर सुनीता मीणा एवं सेंट विल्फ्रेड एजुकेशन सोसायटी के मानद सचिव डॉ. केशव बड़ाया उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरूआत मॉ सरस्वती के समक्ष द्वीप प्रज्जवलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इसके पश्चात स्कूल के विद्यार्थियों ने मॉ सरस्वती, गणेश वंदना और स्कूल एंथम किया। इस मौके पर संस्था के मानद् सचिव डॉ. बडाया ने मुख्य अतिथि एंव सभी अतिथियों का राजस्थानी परम्परानुसार साफा, शॉल एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इसके पश्चात स्टेज शो के दौरान बच्चों ने स्वच्छता का संदेश देते हुए पर्व, त्यौहार और भारत की उत्पत्ति, रावण डांस, सीता हरण, राम हनुमान मिलन, हनुमान नृत्य, कृष्णा नृत्य, कृष्णा-अर्जुन नृत्य, बुद्धा मंत्र, समयक जीवन सीख, मंगल पांडे, महात्मा गांधी, मिशन मंगल और अलग-अलग राज्यों की नृत्य की मनोहारी प्रस्तुति दी। विद्यार्थियों की प्रस्तुति को अभिभावकों एंव अतिथियों ने सराहा। मुख्य अतिथियों ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम से बच्चों में अपनी प्रतिभा को निखारने का मौका मिलता है। इसलिए समय समय इस तरह के कार्यक्रम का आयोजन किया जाते रहना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि वार्षिकोत्सव का मुख्य उद्देश्य छोटे बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ाने के साथ स्टेज पर बेहतर प्रस्तुति देने में सक्षम बनाना है। इस अवसर पर बच्चों ने स्वच्छता के प्रति जागरूकता दिखाकर मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके बाद एक-एक करके बच्चों की आकर्षक और मनोहारी प्रस्तुति ने वाहवाही बटोरी। स्कूल की सीनियर हेड आशा शर्मा ने करंट सेशन की वार्षिक रिर्पोट प्रस्तुत करी, जिसमें स्कूल की उपलब्धियों और विकास के बारे में सभी को अवगत करवाया गया। इसके साथ ही विभिन्न प्रतियोगिताओ के विजेताओं, शैक्षणिक गतिविधियों, एकेडमिक, कल्चरल, स्पोर्ट्स एचीवर्स व उत्कृष्ट कार्य करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। अतुल्य भारत को समायोजन कर छात्र-छात्राओं ने अपनी अदभूत प्रस्तुतियों से सभी उपस्थित दर्शकों को अभिभूत कर दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं डॉ. बडाया ने सभी बच्चों को वार्षिकोत्सव की बधाई दी एवं इस प्रकार के आयोजनों से विद्यार्थियों में हमारी संस्कृति एवं सभी धर्मों का आदर रखने का संदेश दिया एवं कहा कि शिक्षा के साथ साथ बच्चों के मानसिक विकास के लिये ऐसे कार्यक्रम जरूर होने चाहिए।

# नेट थिएट पर सूफी कलामो का रंग जमा

## मोहब्बत दे तो पहले दिल जिगर दे

जयपुर. शाबाश इंडिया

नेट थिएट कार्यक्रमों की श्रृंखला में आज राजस्थान के सुप्रसिद्ध कव्वाल चांद मोहम्मद नूर और उनके साथी कलाकारों ने कव्वाली का ऐसा रंग जमाया कि दर्शक वाह-वाह कर उठे। नेट थिएट के राजेंद्र शर्मा राजू ने बताया कि कव्वाल चांद मोहम्मद ने अपने महफिले समा का आगाज ताजदारे हरम, हो निगाहे करम गाकर किया। उन्होंने हक निभाना मेरे हुसैन का है , हर जमाना मेरे हुसैन का है इसके अलावा रहती है तेरी निस्बत में मगन ,या मेरे ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन के अलावा मोहब्बत दे तो पहले दिल जिगर दे , फिर उससे जस की तासीर भर दे गाकर महफिल में रंग भरा। कव्वाल चांद मोहम्मद नूर की गायकी में सुकून और कव्वाली की गायकी का रंग नजर आया वही सूफी कलाम में इबादत की राह दिखाई दी। नूर मोहम्मद के साथ गायकी में मोहम्मद जहूर, मोहम्मद सुभान, मोहम्मद साजिद के अलावा तबले पर दानिश शेख और ढोलक पर मोहम्मद नदीम तथा मोहम्मद शोएब ने संगत कर महफिल को परवान चढ़ाया । कार्यक्रम का संचालन ईश्वर दत्त माथुर ने किया। कार्यक्रम में प्रकाश मनोज स्वामी, मंच सज्जा शर्मा, अंकित शर्मा नोनू, देवांश सोनी एवं जीवितेश शर्मा की रही।

# आज तक बड़े-बड़े महापुरुष भी नहीं समझ पाये कि सुख का कारण क्या है?: अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी

सम्मेद शिखर जी. शाबाश इंडिया

जब आपकी पत्नी आपके सीने पर अपना सिर रखे,और आप से पूछे कि प्लीज जानू -बताओ ना-आपका कहीं ओर किसी से चक्कर तो नहीं है-? तो विश्वास किजिए, उस समय आपका जवाब महत्वपूर्ण नहीं है। आप अपने दिल की धड़कन को कन्ट्रोल करना अन्यथा पत्नी द्वारा आपका नार्को टेस्ट हो जायेगा.. जरा सी धड़कन बढ़ी कि खेल खत्म। आज तक बड़े-बड़े महापुरुष भी नहीं समझ पाये कि सुख का कारण क्या है? यदि सुख का कारण पत्नी है तो ऐसी अनेक पत्नियां है, जिन्होंने अपने पति को ही मार डाला - प्रेमी के लिए, धन के लिए, या और भी अन्य कारण हो। यदि आंकड़े देखे जाये, तो 100 में से 5 लोग भी नहीं मिलेंगे, जो पत्नी के सुख से सुखी हो। संसार में एक ही रिश्ता ऐसा है जो बिन कारण से लड़ता झगड़ता है - वो है पति

पत्नी। एक पत्नी से तीन कार्य हो रहे हैं। पत्नी पहले सुख देती है, फिर दुःख देती है और फिर बाद में ना जीने देती है, ना मरने। यदि पत्नी, बच्चे, घर, परिवार, मकान, महल, मोटर गाडी, खाना, पीना, कपड़े और भी बहुत कुछ चीजों से सुख मिलता तो बड़े-बड़े महापुरुष करोड़ो अरबों की धन सम्पत्ति छोड़कर क्यों वन की ओर प्रस्थान करते? ये सुख ऐसा ही है जैसे - तलवार की धार पर शहद लगी हो। जो भी शहद खाएगा, उसे पहले शहद का मीठापन भायेगा, फिर जिन्दगी भर भागेगा और कहीं भी नही पहुंच पायेगा। फिर प्रश्न उठता है - सुख कहाँ है? पाप का फल - दुःख, पुण्य का फल - सुख और धर्म का फल - सुख ही सुख। जो वस्तु जितनी मात्रा में धर्म से बनी है, वह उतनी मात्रा में ही सुख देती है। जितनी मात्रा में अधर्म और पाप होता है, उसका फल भी उतना ही मिलता है। दुःख का फल - नरक, सुख का फल - स्वर्ग और धर्म का फल - मोक्ष। कहने का मतलब है - सुख का मूल कारण धर्म ही है। इसलिए धर्म का मार्ग कभी नहीं छोड़ना। **नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद ।**

## वेद ज्ञान

# सरल और सुगम बनना जरूरी

अनुशासन का अर्थ है नियम के अंतर्गत चलना। अब प्रश्न है कि नियम क्या है? नियम नैतिकता को कहते हैं और नैतिकता, सरलता और सुगमता को कहा जाता है। यह जो नीति शब्द है वह 'ऋत' से बना है। 'ऋत' का अर्थ है जो सरल और सुगम हो। यही शब्द आगे चलकर 'ऋत' बना और 'ऋत' से ही नीति बन गया। नैतिकता इसी नीति से बना हुआ शब्द है, जिसका अर्थ होता है, जीवन में सरल और सुगम बनना। प्रत्येक मनुष्य जन्म से ही सरल और सुगम होता है। बचपन में कोई विकार नहीं होता। इसलिए बचपन सब को प्यारा लगता है। लेकिन मनुष्य जब बड़ा हो जाता है, तो विकारग्रस्त बन जाता है। उसमें बुराइयां आ जाती हैं। इसी बुराई से बचने के लिए संयम, नियम और अनुशासन की आवश्यकता पड़ती है। अनुशासन दो प्रकार के होते हैं-एक बाहर का अनुशासन और दूसरा अंतर्मन का अनुशासन। बाहर का अनुशासन दिखावटी होता है और भीतर का अनुशासन मौलिक होता है। बाहर के अनुशासन के लिए हम व्यायाम करते हैं, लेकिन भीतर के अनुशासन के लिए हमें प्राणायाम करना पड़ता है। भीतर का अनुशासन तभी आता है, जब मन में उठ रहे काम और क्रोध के वेग को प्राणायाम से नियंत्रित किया जाए। अंतर्मन के अनुशासन के लिए प्राणायाम के सिवा और कोई रास्ता नहीं है। ऐसा इसलिए, क्योंकि अंतर्मन की क्रिया को बाहर से नियंत्रित नहीं किया जा सकता है। जीवन में अनुशासन आए, यह अच्छी बात है, लेकिन अनुशासन भीतर का हो, बाहर के अनुशासन से भीतर को नियंत्रित नहीं किया जा सकता है। अनुशासन तो भीतर से आना चाहिए। अगर कोई छात्र टीचर के भय से अथवा कमांडर के भय से सीधा खड़ा है, तो वह अनुशासन में नहीं है, वह भय के कारण अनुशासन में दिख रहा है। इसलिए जहां भय होगा, वहां अनुशासन नहीं हो सकता। पतंजलि ने संयम, नियम और आसन की बात की है। संयमपूर्वक नियम का पालन ही अनुशासन है। जो भीतर से नियम का पालन करे, जिसका मन सरल बन जाए, विकार मुक्त हो जाए, जो काम क्रोध और अहंकार से प्रभावित न हो, उसे ही अनुशासित कहते हैं। हाथ-पांव सीधे करके खड़ा होना अनुशासन नहीं है, मन और वाणी को संयमित करना अनुशासन है।

## संपादकीय

# सारे कयासों को पटखनी देते हुए अभूतपूर्व विजय

एक नगर निगम और दो विधानसभा चुनावों के नतीजों पर सबकी नजर लगी हुई थी। तीनों जगह सत्ताधारी भाजपा की साख दांव पर थी। सबसे अधिक दिलचस्पी गुजरात विधानसभा चुनाव को लेकर बनी हुई थी। माना जा रहा था कि वहां सत्ताविरोधी लहर है और भाजपा को काफी नुकसान उठाना पड़ सकता है। सदा से वहां कांग्रेस और भाजपा के बीच टक्कर होती आई है, मगर इस बार एक तीसरी पार्टी पूरे जोशो-खरोश के साथ मैदान में उतरी थी और उसका दावा था कि वह वहां सरकार बनाएगी। आम आदमी पार्टी वहां सबसे पहले चुनाव प्रचार में जुट गई थी और लोगों का शुरूआती रुझान उसकी तरफ दिख भी रहा था। फिर यह भी आंकड़ा बार-बार दोहराया जा रहा था कि पिछले तीन विधानसभा चुनावों से वहां भाजपा की सीटों में कमी और कांग्रेस की सीटों में बढ़ोतरी दर्ज हो रही है। इसलिए इस बार नतीजे भाजपा के खिलाफ जाने के कयास लगाए जा रहे थे। मगर भाजपा ने इस चुनाव में सारे कयासों

को पटखनी देते हुए अभूतपूर्व विजय हासिल की है। विश्लेषक इसके पीछे जो भी कारण मानते हों, पर हकीकत यह है कि भाजपा ने न सिर्फ डेढ़ सौ से ऊपर सीटें अपने कब्जे में की है, बल्कि इसमें पहले की तुलना में उसका मत प्रतिशत भी बढ़ा है। जाहिर है कि वहां भाजपा पर लोगों का भरोसा कमजोर नहीं हुआ है। हिमाचल प्रदेश में भाजपा को जरूर कुछ अधिक संघर्ष करना पड़ा, मगर वहां उसे शिकस्त इसलिए नहीं खानी पड़ी कि कांग्रेस ने उससे बेहतर प्रदर्शन किया या उसके पास बेहतर चुनावी मुद्दे थे। बल्कि इसलिए संघर्ष करना पड़ा कि भाजपा ने वहां शुरू से ही अपनी रणनीति अच्छी तरह नहीं बनाई थी। मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर के कामकाज से लोग संतुष्ट नहीं थे, मगर केंद्रीय नेतृत्व ने उनकी जगह किसी और को कमान सौंपने के बजाय उन्हें कार्यकाल पूरा करने दिया, जबकि गुजरात में पूरा मंत्रिमंडल ही बदल दिया था। फिर टिकट बंटवारे के समय प्रत्याशियों के चुनाव में ठीक से समीकरण तय नहीं किया गया। कई कद्दावर नेताओं के टिकट काट दिए गए, जिससे नाराज होकर वे बागी हो गए। वे निर्दलीय मौदान में उतरे और भाजपा का नुकसान कर गए। जिन सीटों पर भाजपा को हार का सामना करना पड़ा है, उसमें मतों का अंतर बहुत कम है। इससे भाजपा दावा कर सकती है कि हिमाचल में भी उसका जनाधार कमजोर नहीं हुआ है। मगर जनतंत्र संख्याओं का खेल है और इस खेल में कांग्रेस विजयी हुई है। दिल्ली में कहने को नगर निगम का चुनाव था, मगर वह भाजपा और आम आदमी पार्टी के बीच इस कदर मूंछ की लड़ाई बन चुका था कि पूरे देश की उसमें दिलचस्पी बनी हुई थी। आखिर आम आदमी पार्टी ने उसमें बहुमत हासिल कर लिया। मगर भाजपा का प्रदर्शन भी निराशाजनक नहीं कहा जा सकता। सौ से ऊपर सीटें आईं। जिन सीटों पर उसे हार मिली उन पर मतों का अंतर बहुत कम देखा गया। मगर इन तीनों चुनावों में जिस तरह भाजपा को मेहनत करनी पड़ी, उससे स्पष्ट हो गया कि ये चुनाव उसके लिए आसान नहीं थे। **-राकेश जैन गोदिका**

## परिदृश्य

# नियुक्ति का न्याय

ऊपरी अदालतों में न्यायाधीशों की नियुक्ति को लेकर सर्वोच्च न्यायालय और सरकार के बीच तनातनी खत्म होने का नाम नहीं ले रही। कुछ दिनों पहले केंद्रीय कानून मंत्री ने न्यायाधीशों की नियुक्ति करने वाली कालेजियम प्रणाली को प्रश्नांकित करते हुए कहा था कि संविधान में कहीं भी यह शब्द नहीं मिलता। अब उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने इस मुद्दे को संसदीय लोकतंत्र के लिए चिंताजनक स्थिति माना है। उनका कहना है कि संसद द्वारा पारित राष्ट्रीय न्यायिक आयोग कानून को सर्वोच्च न्यायालय द्वारा खारिज कर दिया जाना संप्रभुता के खिलाफ है। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने यह बात राज्यसभा में कही। जाहिर है, सरकार ने कालेजियम प्रणाली को समाप्त करने को लेकर एक बार फिर कमर कस ली है। हालांकि पिछले कार्यकाल से ही वर्तमान केंद्र सरकार इस प्रणाली के खिलाफ रही है। उसका तर्क है कि कालेजियम प्रणाली के तहत ऊपरी अदालतों में न्यायाधीशों की नियुक्ति में पक्षपात होता और भाई-भतीजावाद चलता है। सरकार चाहती है कि जिस तरह तमाम विभागों और संस्थानों में सर्वोच्च पदों पर नियुक्तियां वह खुद करती है, उसी तरह न्यायाधीशों की नियुक्ति भी उसी की मर्जी से हो। मगर सर्वोच्च न्यायालय इसे राजनीतिक दखलअंदाजी के रूप में देखता है। वर्षों तक ऊपरी अदालतों में न्यायाधीशों की नियुक्ति केंद्र के फैसले से होती रही, मगर देखा गया कि उसमें सरकार अपने करीबी लोगों को तरजीह देती है। तब तर्क दिया गया कि चूंकि न्यायाधीश निचली अदालतों के न्यायाधीशों और वकालत कर रहे लोगों की प्रतिभा और क्षमता को बहुत नजदीक से जानते हैं, इसलिए उनमें से जज के रूप में चुनाव करने में उन्हें अधिक आसानी होगी। उसमें भी अंतिम निर्णय सरकार को ही लेना होता है, मगर वह एक तरह से चुने गए नामों पर अपनी स्वीकृति देने का होता है। हालांकि कुछ वर्षों बाद कालेजियम प्रणाली पर भी सवाल उठने शुरू हो गए कि वह अपने करीबी लोगों को ही उच्च न्यायालयों और सर्वोच्च न्यायालय में भेजती है। इस आधार पर सरकार ने कालेजियम प्रणाली को समाप्त कर राष्ट्रीय न्यायिक आयोग गठित करने संबंधी विधेयक संसद में पेश किया, जिसे सभी दलों ने आम सहमति से पारित कर दिया था। मगर सर्वोच्च न्यायालय ने उसे संविधान की मंशा के खिलाफ मानते हुए रद्द कर दिया। तभी से यह तनातनी बनी हुई है और रह-रह कर सार्वजनिक रूप से उभर आती है। निस्संदेह ऊपरी अदालतों में न्यायाधीशों की नियुक्ति का मामला न्याय-व्यवस्था की साख से जुड़ा है। उच्च और उच्चतम न्यायालय के प्रति देश के लोग इंसाफ के लिए बड़े भरोसे के साथ देखते हैं। हालांकि अधिकांश मामलों में ऊपरी अदालतों ने अपनी साख कायम रखी है और संविधान के प्रति उसकी निष्ठा प्रकट होती है। मगर कुछेक मामलों में अगर उदाहरण दिए जाते हैं कि जज का बेटा ही सर्वोच्च न्यायालय का जज बनता है, तो इस तरह के आरोप से मुक्त होने की जवाबदेही भी खुद सर्वोच्च न्यायालय पर आ जाती है। मगर इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि न्यायालयों में राजनीतिक दखलअंदाजी से नियुक्तियां होंगी, तो उनके निष्पक्ष होने को लेकर सवाल उठते रहेंगे। किसी भी न्याय-व्यवस्था को इस तरह संदेह और सवालों के घेरे में डाले रखना उचित नहीं माना जा सकता।

# गुरु की भक्ति करने से होता है पाप कर्मों का छय: आचार्य श्री वर्धमान सागर जी

## संत भवन का हुआ आचार्य श्री के मंगल आशीष के साथ भव्य लोकार्पण

**गंगापुर सिटी. शाबाश इंडिया**

भक्ति भाव के साथ चांदनपुर वाले महावीर भगवान मंडल विधान पूजन का हुआ आयोजन

वात्सल्य वारिधि पंचम पट्टाचार्य राष्ट्र गौरव आचार्य श्री वर्धमान सागर महाराज के मंगल आशीष के साथ आज सैनिक नगर स्थित पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर प्रांगण मे नवनिर्मित आचार्य श्री वर्धमान सागर संत भवन का मंत्रोचार के साथ भव्य लोकार्पण किया गया ।इस अवसर पर आचार्य श्री के साथ में 32 साधु साध्वी का सानिध्य लोकार्पण कार्यक्रम को मिला। नगर परिषद सभापति शिवरतन अग्रवाल ने भी आचार्य श्री के समक्ष श्रीफल चढ़ाया और आचार्य श्री से आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर प्रबंध कारिणी समिति एवं दिगंबर जैन समाज की ओर से जैन धर्मावलंबियों ने आचार्य श्री ससंघ के समक्ष श्रीफल चढाकर मंगल आशीष प्राप्त किया। कार्यक्रम की शुरूआत मंगलाचरण से हुई। प्रबंध कारिणी समिति के सदस्य नरेंद्र जैन नृपत्या ने संत भवन निर्माण के बारे में अपने विचार रखते हुए कहा कि श्री महावीर जी से सवाई माधोपुर के मध्य हमारे दिगंबर जैन साधु संतों को विहार करते समय गंगापुर में विश्राम हेतु यह संत भवन बनाया गया है ।धर्म श्रेष्ठी शिखर चंद जी महावीर जैन साह परिवार बामनवास बालों ने इसके निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की ।इसके लिए वह साधुवाद के पात्र है। शाह परिवार की ओर से शिखर चंद महावीर प्रसाद महेंद्र कुमार मुकेश कुमार मनोज कुमार मुनीष साध्वियों की आहार चर्या निर्भिग्न संपन्न हुई। आहार चर्या देखने के लिए भी धर्मावलंबियों की भीड़ जमा रही। दोपहर में मंदिर परिसर में बने विशेष भव्य पंडाल में चांदनपुर वाले महावीर भगवान का मंडल विधान पूजन एवं आचार्य श्री वर्धमान सागर महाराज की पूजन की गई। महावीर भगवान की विधानमंडल पूजन को परम पूज्य मुनि श्री हितेद्र सागर जी महाराज द्वारा उच्चारित किया गया आचार्य श्री द्वारा मंत्रोचार किया गया किया गया। पंडित मुकेश जी मधुर के निर्देशन एवं संगीतकार दौलत एंड पार्टी के मधुर संगीत के साथ जिनेंद्र भगवान के समक्ष 35 अर्ध चढ़ाऐ गई। इसी प्रकार आचार्य श्री की पूजन भी बड़ी भव्यता के साथ की गई। पूजन के दौरान आचार्य श्री के जल केसर एवं रत्नों से पाद प्रक्षालन शिखर चंद महावीर प्रसाद साह परिवार की ओर से किया गया। चित्र अनावरण राजेश गंगवाल परिवार की ओर से पूजन में जल रमेश चंद जैन शिक्षा अधिकारी, चंदन -मंगल चंद जैन परिवार की जैन डॉक्टर मानव जैन की ओर से आचार्य श्री के पूर्व पट्टाचार्य के अर्थ चढ़ाए गए। आरती दीपक जैन गंगवाल परिवार की ओर से की गई इस अवसर पर आचार्य श्री को शास्त्र भेंट करने का लाभ श्री विमल जैन गोधा परिवार एवं श्री रितेश जैन पल्लीवाल परिवार को मिला। पूजन के दौरान संगीतकार दौलत जैन एंड पार्टी की मधुर धुनों पर जैन श्रद्धालु भक्ति भाव के साथ नृत्य कर रहे थे भक्ति से झूमते जैन श्रद्धालुओं ने आचार्य श्री की पूजा अर्चना की।

कुमार मुकुल अभिनवजैन साह आदि ने रिबिन खोलकर एवं सिलापट का अनावरण कर आचार्य श्री के सानिध्य में संत भवन का विधिवत लोकार्पण किया। इसअवसर पर सभी परिवारजनो का माला साफा दुपट्टा पहनाकर, तिलक लगाकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर अपने मंगल आशीष में आचार्य श्री ने कहा कि देव शास्त्र और साधु संतों की सेवा करने से मनुष्य अपने कर्मों का क्षय करता है और मोक्ष का मार्ग प्रशस्त करता है। लोकार्पण कार्यक्रम के बाद मैं आचार्य श्री एवं सभी साधु ओर से अक्षत प्रेमचंद जैन परिवार की ओर से पुष्प जिनेंद्र कुमार देवेंद्र कुमार धर्मेंद्र कुमार पांड्या परिवार की ओर से नैवेद्य रुपेंद्र कुमार नरेंद्र कुमार जैन नृपत्या परिवार की ओर से दीप सुनील जैन पत्रकार की ओर से धूप आलोक जैन कबाडी परिवार की ओर से फल प्रेमचंद सुभाष जैन सोगानी परिवार की ओर से एवं महा अर्ध प्रवीण कुमार गंगवाल परिवार की ओर से चढ़ाए गए। इस अवसर पर जैन अध्यापक गोपाल जी दीपक जी पाटनी अनुज जी जैन श्रीमान ठेकेदार चांदमल जी जैन श्रीमान वीके

## तीये की बैठक

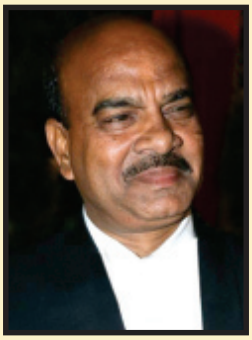

अत्यन्त दुःख के साथ सूचित किया जाता है कि हमारे पूजनीय श्री सियाराम शरण जैन का आकस्मिक निधन शुक्रवार दिनांक 09 दिसम्बर 2022 को हो गया है। इनकी तीये की बैठक रविवार दिनांक 11 दिसम्बर 2022 को दोपहर 2.00 बजे से 3.00 बजे तक नगर निगम कॉलोनी पार्क, ब्रह्मपुरी थाने के आगे, आमेर रोड, जयपुर पर होगी।

शोकाकुल परिवार : अनिता जैन पार्षद – वार्ड नं. 21 (धर्मपत्नि), बसंत – निर्मला जैन (भाई–भाभी), वीर–हीना, ऋषभ–मेघा (पुत्र–पुत्रवधू), मानसी (पुत्री) अवनी, स्तवराज, आर्यव, आदविक (पौत्री–पौत्र) अर्पित–सोनाली, अंकित–सुरभि (भतीजे– बहु), अदिती–सुभांषु (भतीजी–जमाई)

प्रतिष्ठान : अनिता प्रिन्टर्स, सरस्वती प्रिन्टर्स

मो.: 8114417253, 9928358121

# राज्य में जैन बोर्ड का गठन करने की मांग

जयपुर. शाबाश इंडिया

युवा कांग्रेस नेता और पार्षद प्रत्याशी मोहित जैन ने प्रदेश के मुख्यमंत्री, राजस्थान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष, कृषि मंत्री, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री को ज्ञापन प्रेषित कर पुरजोर शब्दों में मांग की है कि राजस्थान राज्य में जैन बोर्ड का गठन किया जाए। ज्ञापन में युवा नेता मोहित जैन ने अवगत कराया है कि अल्पसंख्यक जैन समुदाय की अति प्राचीन धरोहरों के संरक्षण, सुरक्षा, जीर्णोद्धार एवं जैन श्रमण संस्कृति की। रक्षा के लिए प्रदेश में जैन बोर्ड का गठन किया जाना अति आवश्यक है। मोहित जैन ने कहा कि इस संबंध में विभिन्न माध्यमों से जैन बोर्ड के गठन की मांग उठाई है परन्तु अभी तक कोई सकारात्मक कार्यवाही नहीं हुई है जिससे जैन समाज उद्वेलित है। अतएव प्रदेश के जैन समुदाय की न्यायोजित मांग पर कार्यवाही की जाए, ऐसी समाज की मांग है।

# लायंस क्लब बिजयनगर क्लासिक ने रचा इतिहासः आशीष

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

**नसीराबाद।** विजयनगर लायंस क्लब क्लासिक प्रांत में निरंतर सेवा कार्यों के माध्यम से सभी श्रेणीयो में प्रथम पायदान पर बना है, आज प्रांत 3233 ए2 में प्रथम स्थान पर लगातार काबिज है और आज लॉयन्स क्लब बिजयनगर क्लासिक ने लॉयन आशीष सांड की अध्यक्षता मे 1 लाख से ज्यादा पोइंट हाशिल कर के पूरे प्रांत मे बिजयनगर क्लासिक का नाम रोशन कर दिया। लॉयन्स क्लब बिजयनगर क्लासिक ने निरन्तर जीव दया के सेवा कार्यों, मानव सेवा के कार्यों को प्राथमिकता दी। क्लब द्वारा निरन्तर चिकित्सा कैम्प, प्रतिदिन पक्षीशाला, प्रतिदिन शुगर जाँच कैम्प, प्रतिदिन निर्धन व्यक्तियों को भोजन आदि कार्यो लॉयन्स क्लब क्लासिक द्वारा किये जा रहे है लायंस क्लब क्लासिक के अध्यक्ष आशीष सांड के प्रांत में प्रथम स्थान पर आने पर आज अध्यक्ष आशीष सांड का विजयनगर के लॉयन साथियों द्वारा अभिनंदन किया गया इस दौरान पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष मिट्ठूलाल रांका ,क्षेत्रीय अध्यक्ष अमित लोढ़ा, लायंस क्लब क्लासिक सचिव ज्ञानचंद प्रजापत,लॉयन अभिषेक रांका, पूर्व भाजयुमो अध्यक्ष सतीश ओझा, प्रेम चंद गर्ग मंडल आईटी संयोजक संपत सेन, घनश्याम शर्मा , नंदराम, हरिकिशन , मित्रों शुभचिंतकों एवं साथियों ने माल्यार्पण कर साफा पहना कर अभिनंदन किया।

# श्रमण संस्कृति रक्षण के लिए जैन बोर्ड का गठन हो

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन धर्म के पुरा महत्व के तीर्थ, शास्त्र, एवं मंदिरों के संरक्षण एवं श्रमण संस्कृति चर्या के रक्षण हेतु एक जैन बोर्ड जैसे संवैधानिक संस्था की स्थापना होनी चहिए। जैनाचार्य सुनील सागर जी महाराज ने आज नेमीसागर प्रवास के दौरान प्रवचन में उक्त उदगार व्यक्त किए। आज की मुख्य अतिथि जयपुर हेरिटेज महापौर श्रीमती मुनेश गुर्जर ने इस अवसर पर महाराज को श्रीफल भेंट कर आश्वासन दिया कि जैन बोर्ड गठन के संबंध में उनके द्वारा पूरा सहयोग दिया जाएगा। श्री नेमीनाथ दिगम्बर जैन समाज समिति के अध्यक्ष जे के जैन कालाडेरा ने बताया कि आचार्य सुनील सागर महाराज एवं संघस्थ 57 साधुगण का नेमीसागर कालोनी में प्रवास हो रहा है। आज के समारोह में राजू अग्रवाल पार्षद, हेमन्त सोगानी, धर्मचंद पहाड़ियां, एडवोकेट जितेंद्र मोहन, सुरेश सबलावत, राजीव जैन गाजियाबाद, विनय सोगानी, मोहित जैन, डी सी जैन, हंसराज गंगवाल, प्रदीप निगोतिया, अनिल जैन धुआं वाले एवं अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। त्रिवेणी नगर जैन समाज की ओर से आचार्य श्री को श्रीफल भेंट किया गया। सायंकाल में आचार्य श्री के सानिध्य में 48 दीपकों से भक्तामर का भव्य पाठ किया गया नेमिसागर कालोनी में प्रवास के दौरान आचार्य श्री के प्रतिदिन प्रवचन, स्वाध्याय, आरती, वैयावृती तथा अन्य कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं।

# एकल एवं समूह नृत्य के साथ झंकार-2022 का समापन

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। ब्यावर वर्द्धमान ग्रुप के तत्वावधान में श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति द्वारा संचालित श्री वर्द्धमान कन्या पी.जी. महाविद्यालय में चल रहे ''**झंकार**'' कार्यक्रम के अन्तर्गत आज अंतिम दिन एकल एवं समूह नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. आर.सी.लोढ़ा ने बताया कि नृत्य प्रतियोगिता में छात्राओं ने हर्षोल्लास के साथ भाग लेते हुए फिल्मी, राजस्थानी एवं पारम्परिक लोक गीतो पर एक से बढ़कर एक नृत्य की प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम में मौजूद छात्राओं की हूटिंग ने भी उनमे जोश का संचार किया साथ ही नृत्य प्रस्तुति के दौरान गूंजती रही वंस मोर वंस मोर की आवाजे। अकादमिक प्रभारी डॉ. नीलम लोढ़ा ने परिणामों की घोषणा करते हुए बताया कि एकल नृत्य प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर अदिशी जैन द्वितीय स्थान पर नाजमीन व दिव्या शर्मा तथा तृतीय स्थान पर कनिका अग्रवाल रही। समूह नृत्य प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर अंजली एवं समूह व सौम्या एवं समूह, द्वितीय स्थान पर आस्था एवं समूह तथा तृतीय स्थान पर निशा व समूह रही। आज की प्रतियोगिताओं मे निर्णायक की भूमिका शिल्पा भूतड़ा, कीर्ति मालपानी, बबीता कुमावत, श्वेता नाहर व वर्तिका वशिष्ठ रही। कार्यक्रम में सभी संकाय सदस्य, कर्मचारीगण, छात्रसंघ पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में छात्राऐं उपस्थित रही ।

# बीईंग मानव संस्था द्वारा सरकार से आत्मरक्षा प्रशिक्षण को अनिवार्य करने की अपील

उदयपुर. शाबाश इंडिया

पर्यटन और झीलों की नगरी के उद्यमी और समाजसेवी मुकेश माधवानी ने शहर सहित प्रदेश भर में महिलाओं की दशा और दिशा सुधारने के प्रयोजन से बीईंग मानव संस्था की स्थापना की तो सेवा क्षेत्र में अनेक कीर्तिमान स्थापित होते गए। बता दें, वे यह काम स्वयं द्वारा स्थापित एम स्क्वायर फाउंडेशन के बैनर तले करते हैं। गौरतलब है कि माधवानी पिछले पांच वर्षों से महिला अधिकारों को लेकर सचेष्ट रहते उन्हें समाज की मुख्यधारा में लाने के लिए काम कर रहे हैं। इसीलिए उन्होंने अपने सेवाकार्यों को संगठन का नाम देकर उसे संचालित करने का जिम्मा भी महिला को ही दिया। माधवानी ने इसी कड़ी में जेल में सजा काट रही महिला कैदियों को अगरबत्ती बनाने का प्रशिक्षण देने की मुहीम शुरू की ताकि वे सजा पूरी होने के बाद एक सम्मानित जीवन जी सके। बाद में यह उत्पाद जेल अगरबत्ती के नाम से बाजार में उतारा गया। इसी प्रकार महिलाओं के द्वारा चलाया जाने वाले डिपार्टमेंटल स्टोर, बीइंग मानव लेडी फूड आउटलेट धवानी ने यह यह पहल भी महिलाओं को समर्पित थी जिसमें महिलाओं के द्वारा फूड आउटलेट की शुरूआत, आई एम शी अवॉर्ड फंक्शन, स्किल एवं पर्सनलिटी डवलपमेंट, महिला जागरूकता कार्यक्रम, महिला सुरक्षा एवं जागरूकता, स्वास्थ्य शिविर, खेल, ऑनलाइन वर्कशॉप आदि के माध्यम से नारी चेतना की अलख जगाने का काम कर रहे हैं। मुकेश माधवानी का ध्येय अब बालिका आत्मरक्षा कोर्स को शिक्षा में शामिल करवाना है। वे इसके लिए प्रयास किये जा रहे हैं। उनका मानना है कि अगर महिलाएं आत्मरक्षा के गुर सीख जाएं तो अपराध में काफी हद तक कमी लायी जा सकती है। इसमें भी बालिकाओं को स्कूली स्तर पर ही शिक्षा के साथ ही आत्मरक्षा का प्रशिक्षण दिया जाना चाहिये। अब मुकेश माधवानी राजस्थान की स्कूली शिक्षा में बालिका आत्मरक्षा प्रशिक्षण कोर्स को भी अनिवार्य करवाने के लिए प्रयासरत हैं। उनकी मांग है कि इस बार के बजट में महिला आत्मरक्षा प्रशिक्षण के लिए भी राशि का आवंटन होना चाहिए। साथ ही जिला स्तर पर महिला आत्मरक्षा प्रशिक्षण केन्द्रों की स्थापना हो ताकि बालिकाओं और महिलाओं को आत्मरक्षा के गुर सिखाए जा सकें। स्कूलों में भी सप्ताह में एक दिन ऐसे प्रशिक्षण होने चाहिए।

खबर/फोटो:
राकेश शर्मा 'राजदीप' मोबाइल: 9829050939

# उपखंड अधिकारी संजू मीणा द्वारा किया इन्द्रा रसोई का औचक निरीक्षण

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। विजयनगर माननीय मुख्यमंत्री महोदय की मंशा अनुसार राज्य में कोई भी भूखा नहीं सोए के तहत राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही इंदिरा रसोई योजना के तहत नगर पालिका बिजयनगर द्वारा तीन रसोइयों का संचालन किया जा रहा। उक्त तीनों रसोइयों का आज दिनांक 10 दिसंबर 2022 को उपखंड अधिकारी संजू मीणा द्वारा औचक निरीक्षण किया गया एवं गुणवत्ता एवं निर्धारित मापदंड अनुसार रसोई संचालन के संबंध में निरीक्षण किया गया। मीणा द्वारा पीकेवी हॉस्पिटल पास इंदिरा रसोई में भोजन कूपन कटवा कर आम आदमी के साथ बैठकर भोजन ग्रहण किया गया, भोजन की गुणवत्ता व रसोई की साझ सज्जा निर्धारित मापदंड के अनुरुप होने पर संतुष्टि जाहिर की गई। राजनगर स्थित इंद्रा रसोई के संबंध में जगह के अभाव के कारण अन्यत्र शिफ्ट किए जाने हेतु अधिशासी अधिकारी विकास कुमावत को निर्देश प्रदान किए गए। अधिशासी अधिकारी द्वारा जल्द ही इस समस्या का समाधान करने हेतु आश्वस्त किया गया। इस दौरान संचालक संस्था एकलव्य शिक्षण सेवा समिति के प्रतिनिधि श्री जयदीप सिंह मय स्टाप के उपस्थित रहे।

## जाजोट एक्सपीरियंस स्टोर ग्रुप की पूजा इलेक्ट्रॉनिक्स एंड मोबाइल

# 11वें स्टोर का शुभारंभ

**उदयपुर. शाबाश इंडिया**

लेकसिटी के उपनगरीय क्षेत्र हिरण मगरी सेक्टर 3 स्थित ऋषि नगर में जाजोट एक्सपीरियंस स्टोर ग्रुप की पूजा इलेक्ट्रॉनिक्स एंड मोबाइल शोरूम पर राज्य के 11 वें स्टोर का उदघाटन हुआ। कंपनी संस्थापक शिव चौधरी, कंपनी के नेशनल सेल्स मेनेजर उमेश दीवान, डिस्ट्रीब्यूटर मैनेजर अमित कुमार, मोतीलाल मारवाड़ी, प्रवीण मारवाड़ी, अरूण जैन, तन्मय जैन आदि ने फीता काटकर शो रूम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर ग्रुप फाउंडर शिव चौधरी ने ग्रुप के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि साल 2018 में स्थापित इस ग्रुप में संपूर्ण स्वदेशी प्रॉडक्ट्स ही उत्पादित किए जाते हैं। झीलों की नगरी में इस तरह का यह पहला शोरूम है। हालांकि राजस्थान में अभी इस ग्रुप के 10 स्टोर खुल चुके हैं। भविष्य में पूरे हिंदुस्तान में इस ग्रुप के स्टोर खोलना प्रस्तावित है। नेशनल सेल्स मेनेजर उमेश दीवान ने बताया कि यह स्वदेशी प्रोडक्ट क्वालिटी में किसी भी अन्य प्रॉडक्ट से कम नहीं है। उन्होंने बताया कि जाजोट के प्रॉडक्ट्स अपने आप में ही यूनिक और दूसरी कंपनियों के बनने वाले प्रॉडक्ट्स से बिल्कुल हटकर हैं। उन्होंने बताया कि हमारे पास ऐसे इनवर्टर है जिनमें बैटरी अलग से नहीं लगती है ना उसमें पानी की जरूरत होती है। उनके पास इलेक्ट्रॉनिक के हर आइटम के साथ मोबाइल का भी खजाना भी है।

रिपोर्ट/फोटो: राकेश शर्मा 'राजदीप' मोबाइल:9829050939

## आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

## प्रो. दमयन्ती गुप्ता ने कहा...

# महिलाओं के सम्मान के लिए समाज को मुखरित होने की आवश्यकता है

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

शनिवार 10 दिसम्बर को अन्तर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय राजस्थान महाविद्यालय, जयपुर एवं राजस्थान यूनिसर्विटी वूमन्स एसोसियेशन (रूवा) के संयुक्त तत्त्वावधान में महाविद्यालय के सभागार में ''**महिलाओं के मानवाधिकार**'' विषय पर युवा संवाद एवं व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित किया गया। उक्त कार्यक्रम के प्रारम्भ में प्रो. आर.एन. शर्मा ने आगन्तुक अतिथियों का स्वागत करते हुए आधुनिक तकनीक के दुरुपयोग से युवाओं को सावचेत किया। मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए प्रो. दमयन्ती गुप्ता ने कहा कि युवाओं को महिला सरोकारों के सम्बन्ध में मुखरित होने की आवश्यकता है। उन्होंने अपने उद्बोधन में ''**समर शेष है**'' कविता की पंक्तियों को उद्धृत करते हुए कहा कि महिलाओं के प्रति होने वाले अपराधों को लेकर मौन रहने वाला समाज भी पाप का भागी है। मुख्य अतिथि राजस्थान महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष प्रो. लाड़ कुमारी जैन ने वैश्विक परिदृश्य में महिला अधिकारों को लेकर निर्मित कानूनों एवं भारतीय समाज में व्याप्त अवधारणा एवं समाजगत समस्याओं पर विचार रखे। रूवा महासचिव डॉ. निक्की चतुर्वेदी ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कहा कि महात्मा गांधी के कथन ''जिस दिन कोई भी महिला हिमाचल से कन्याकुमारी तक पूरा भारत भ्रमण निर्भिक और सम्मान के साथ कर लेगी, उस दिन हमें सच्ची आजादी मिलेगी'' को केन्द्र में रखकर अपने विचार अभिव्यक्त किये। महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना के विद्यार्थियों- रमेश कुमार ने कन्या भ्रूण हत्या, रौनक गहलोत ने महिलाओं से छेड़खानी, जालम सिंह ने दहेज प्रथा, सुरेश विश्नोई ने बलात्कार एवं महावीर छीपा ने घरेलू हिंसा पर अपने विचार व्यक्त किये। महाविद्यालय के प्राचार्य एवं कार्यक्रम के अध्यक्ष प्रो. एस.एल. शर्मा ने अध्यक्षीय उद्बोधन में कार्यक्रम की उपादेयता एवं आवश्यकता बताते हुए महिलाओं के प्रति समाज में व्याप्त कुरीतियों के उन्मूलन की दिशा में समेकित रूप से युवाओं को आगे आने का आह्वान किया। रूवा की कार्यक्रम समन्वयक प्रो. प्रेरणा पुरी ने कार्यक्रम के अन्त में सभी अतिथियों एवं युवा शक्ति का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन एन.एस.एस. कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मीना रानी ने किया। उक्त कार्यक्रम में रूवा के सदस्यों, परामर्षदात्रियों एवं महाविद्यालय के समस्त उप-प्राचार्य प्रो. अनिल कुमार भारद्वाज, डॉ. सुधीर कुमार शर्मा, डॉ. जितेन्द्र कुमार सिंह एवं डॉ. महेश कुमार दायमा सहित अन्य शिक्षकगण, कर्मचारी एवं छात्र व छात्रसंघ पदाधिकारी उपस्थित रहे।


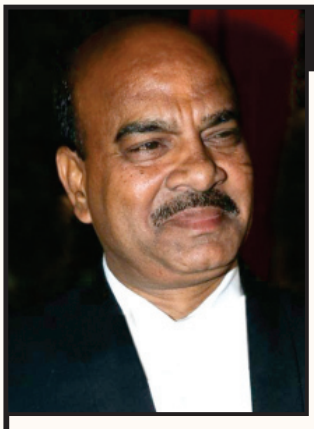

## श्रद्धांजलि

हमारे पूजनीय

**श्री सियाराम शरण जी जैन**

पुत्र स्व. श्री बाबूलाल जी जैन ( विराट नगर वाले )
के आकस्मिक निधन पर हम सभी भावभीनी
श्रद्धांजलि अर्पित करते है।

श्रीमती अनिताज जैन पार्षद ( वार्ड नं. 21 ) ( पत्नी )
बसन्त-निर्मला जैन ( भाई-भाभी ), वीर - हीना जैन,
ऋषभ-मेघा जैन ( पुत्र-पुत्रवधू ), मानसी जैन ( पुत्री )
अवनी, स्तवराज, आदविक ( पौत्री-पौत्र )
अर्पित-सोनाली, अंकित-सुरभि ( भतीजे - बहु ), अदिती-सुभांषु ( भतीजी - जमाई )

प्रतिष्ठान : अनिता प्रिंटर्स, सरस्वती पेपर एण्ड प्रिंटिंग इण्डस्ट्रीज, आमेर रोड़, जयपुर